कराईकल में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय

केंद्रीय सरकार ने भारत और विश्व में शैक्षणिक और रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देने के वास्ते कराईकल में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) का नया परिसर खोला है। आज के संदर्भ में, जहां राष्ट्र का वैश्विक व्यापार इसकी आर्थिक ताक़त का द्योतक है और मर्चेन्ट नेवी विश्व व्यापार का प्रमुख संचालक है, ऐसे में समुद्र यात्रा करने वालों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। अतः इस क्षेत्र में मानव संसाधन विकास को अत्यधिक महत्व दिये जाने की आवश्यकता है।

भारत दुनिया में नाविकों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़े देशों में से एक है। भारतीय नाविकों की गिनती सर्वाधिक अनुशासित और सुप्रशिक्षित नाविकों में की जाती है, जिनकी संख्या वैश्विक नाविकों का 7 प्रतिशत है। 1990 के दशक के आख़िर से समुद्री प्रशिक्षण क्षेत्र में निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी देखी गई है। देश भर में 135 से अधिक समुद्री संस्थान विभिन्न विषय क्षेत्रों में समुद्र पूर्व और समुद्र के अंदर प्रशिक्षण संचालित कर रहे हैं। इन प्रयासों के समेकन के उद्देश्य के साथ 2008 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के तौर पर भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय इस समय समुद्री विज्ञान, समुद्री अभियांत्रिकी, नौसैनिक वास्तुकला एवं समुद्री इंजीनियरिंग और जहाज निर्माण एवं मरम्मत में बंदरगाह और समुद्री लघु अवधि पाठयक्रम तथा डिग्री पाठयक्रम संचालित कर रहा है। भारतीय नौवहन निगम अपने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तौर पर भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय से चार वर्षीय बी.टैक समुद्री इंजीनियरिंग पाठयक्रम के लिए अध्ययनरत छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान करता है।

केंद्रीय सरकार ने देश के सभी समुद्री राज्यों में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के परिसर खोलने का फ़ैसला किया है। इस उद्देश्य से संघ शासित प्रदेश पुडुचेरी में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के कराईकल परिसर की शुरूआत की गई है। नौवहन मंत्रालय द्वारा संचालित संभाव्यता अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि कराईकल में नये परिसर से ग्रामीण युवाओं को समुद्री क्षेत्र में रोज़गार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। सरकार ने हाल में विश्वविद्यालय के नए परिसर कांडला और कोचीन में खोले हैं। इससे पूर्व सितंबर, 2013 में तमिलनाडू के दक्षिणी जिलों की आवश्यकताओं को पूरा करने लिये टूटुकुडी में भारतीय नौवहन निगम के एक समुद्री प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया गया। यह आशा की जाती है कि कराईकल परिसर से क्षेत्र के युवाओं और मछुआरों को काफी लाभ होगा और यह संघ शासित प्रदेश की संभावनाओं को बढ़ायेगा। सरकार की कर्नाटक, गोवा और ओड़ीशा में भी भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के परिसर खोलने की योजना है।

———————